

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 51] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 20, 1980 (अग्राहायण 29, 1902)
No. 51] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 20, 1980 (AGRAHAYANA 29, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

विभिन्न निकायों द्वारा जारी की गई विविध सूचनाएँ जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएँ सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक
केन्द्रीय कार्यालय

बैंकिंग परिचालन और विकास विभाग
“दि आर्कैड”, विश्व व्यापार केन्द्र,
कफ परेड, कोलाबा

बंबई-400005, दिनांक 31 अक्टूबर 1980

संदर्भ डीबीओडी सं० आरईटी बीसी 127/सी 96 (आर ईटी)-80—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 42 की उप-धारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक एतद् द्वारा (1) प्रत्येक अनुसूचित वाणिज्य बैंक को अतिरिक्त वकाया राशियाँ बनाए रखने के बारे में 13 जनवरी 1977 की अधिसूचना डीबीओडी सं० आरईटी बीसी 9/सी 96 (आरईटी)-77 के साथ पढ़ी जानेवाली उक्त धारा 42 की उप-धारा (1अ) के उपबंधों से छूट देता है बशर्त कि ऐसा बैंक निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता हो :—

- (i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक ने 31 अक्टूबर, 1980 को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 42 की उप-धारा (1) और (1अ) के अधीन आवश्यक नकदी आरक्षित अनुपात (केश रिजर्व

रेशिओज) और बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 24 के अधीन आवश्यक सांविधिक चलमुद्रा अनुपात (स्टेटचरी लिक्विडिटी रेशिओ) बनाए रखे हों; और

- (ii) उपर्युक्त मद (i) में उल्लिखित धारा 42 की उप-धारा (1अ) के अधीन 31 अक्टूबर, 1980 को रखे जानेवाले नकदी आरक्षित अनुपात की राशि उक्त तारीख के बाद भी आहरित न की गई हो।

2. यह निदेश देता है कि जहाँ किसी अनुसूचित वाणिज्य बैंक ने उपर्युक्त पैराग्राफ (1) की मद (i) में उल्लिखित आरक्षित राशियाँ 31 अक्टूबर, 1980 को नहीं बनाए रखीं वहाँ एतद् द्वारा दी गई छूट ऐसे बैंक को इसके बाद ही उपलब्ध होगी जब वह इस अधिसूचना की तारीख से लेकर अधिक से अधिक दो सप्ताहों की अवधि के भीतर पूरी कमी को पूरा कर लेगा और इसके पश्चात् धारा 42 की उप-धारा (1अ) के अनुसरण में रखी जानेवाली नकदी आरक्षित अनुपात की राशि को आहरित नहीं करेगा।

के० एस० कृष्णस्वामी
उप गवर्नर

भारतीय खाद्य निगम
प्रधान कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्तूबर 1980

सं० 15-6/79-ई०पी०—भारतीय खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) धारा 45 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा वैधानिक प्रक्रिया की पूर्वावधि से भारतीय खाद्य निगम निम्न विनियम प्रकाशित कर भारतीय खाद्य निगम (प्रशदायी भविष्य निधि) अधिनियम, 1967 में इस प्रकार संशोधन किया है :—

- (1) ये विनियम भारत में खाद्य निगम (प्रशदायी भविष्य निधि) (तृतीय संशोधन) विनियम, 1980 कहे जाएंगे।
- (2) ये 9 सितम्बर, 1980 से लागू हुए माने जाएंगे।
- (3) भारतीय खाद्य निगम (प्रशदायी भविष्य निधि) के विनियम 18 के अधीन विद्यमान परंतुक संशोधित करके इस प्रकार पढ़ा जाए।

“इस शर्त के साथ कि यदि कोई सदस्य अपनी सदस्यता छोड़ देता है तो देय धनराशि पर व्याज, जिस माह में श्रदायगी की जाती है उस माह के पूर्व महीने के अन्त तक या ऐसी धनराशि के देय माह के छः महीने के बाद तक (इनमें से जो भी अवधि कम हो) दिया जाएगा।

टिप्पणी : यदि वित्तीय सहायकार व्यक्तिगत रूप से संतुष्ट है कि परिस्थितियों के कारण श्रदायगी में विलम्ब अभिदाता के नियंत्रण के बाहर था तो वह निधि शेष पर छः महीने के बाद एक वर्ष की अवधि तक उसके द्वारा व्याज देना प्राधिकृत किया जा सकता है तथा मामले में प्रशासनिक विलम्ब के ऐसे प्रत्येक मामले की पूर्णतः जांच की जाएगी और यदि आवश्यक हो तो कार्यवाही की जाएगी।”

के० एस० मूर्ति
उप प्रबंधक (ई० पी०)

राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्तूबर 1980

शुद्धिपत्र

संख्या रा० सं० वि० नि० : 1-1/75-प्रशा०—भारत के राजपत्र सं० 20 (भाग III—खंड 4) दिनांक 17 मई, 1980 में प्रकाशित सं० रा० सं० वि० नि० : 1-1/75-प्रशा० दिनांक 28 अप्रैल, 1980 की अधिसूचना में—

- (1) पृष्ठ 1995 पर : उप पैरा (1) में चौथी लाइन में “वर्ग ‘ख’ के स्थान पर ‘वर्ग ख’ पढ़िए।
- (2) पृष्ठ 1995 पर : उप पैरा (2) में दूसरी लाइन में निगम से पहले” को हटा दें।
- (3) पृष्ठ 1995 पर : पैरा 4 की तीसरी लाइन में “59 अर्जित छुट्टी 1” के स्थान पर “59 अर्जित छुट्टी” पढ़िए।

(4) पृष्ठ 1995 पर : पैरा 4 के उप पैरा (क) के उप पैरा (2) की चौथी लाइन में समसंख्यक वर्ष में “15 और 16 दिन किए जाएं” के स्थान पर “सम-संख्यक वर्ष में 15 और 16 दिन जमा किए जाएं” पढ़िए।

(5) पृष्ठ 1995 पर : पैरा 4 के उप पैरा (क) के उप पैरा (3) की पहली लाइन में “1 जनवरी, 1 जुलाई” के स्थान पर “1 जनवरी/1 जुलाई” पढ़िए।

(6) पृष्ठ 1996 पर : विनियम 62 (2) में दूसरी लाइन पर “अर्द्धवर्तन” के स्थान पर “अर्द्धवर्तन” पढ़िए।

(7) पृष्ठ 1998 पर : टिप्पण 1 के नीचे दिए गए निर्धारित प्रमाण-पत्र की दूसरी लाइन में “-----से-----” के (तारीख) स्थान पर “-----से-----” पढ़िए।

(8) पृष्ठ 1998 पर : टिप्पण 1 के नीचे दिए गए निर्धारित प्रमाण-पत्र की दूसरी लाइन में “तक” के बाद पूर्ण विराम (I) हटा दें।

(9) पृष्ठ 1998 पर : 15. विनियम 70 (4) के स्थान पर प्रतिस्थापित की जाने वाली सामग्री के पैरा 2 की दूसरी लाइन में “मध्यरात्रि तक” के स्थान पर “मध्यरात्रि से मध्यरात्रि तक” पढ़िए।

(10) पृष्ठ 1999 पर : उप पैरा (ख) की पहली में “ज” के स्थान पर “जा” पढ़िए।

(11) पृष्ठ 1999 पर : उप पैरा (ख) के उप पैरा (1) की तीसरी लाइन में “उस” के स्थान पर “उसके” पढ़िए।

कंवरजीत सिंह भाटिया
महा प्रबंधक

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

कर्नाटक

बंगलूर, दिनांक 1 दिसम्बर 1980

सं० 53-बी-34-13-4-80-समन्वय—इसके द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि अधिसूचना की तारीख से कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 10-क के अन्तर्गत शाहाबाद क्षेत्र के लिए स्थानीय समिति का पुनर्गठन किया गया है जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति होंगे :—

स्थानीय समिति, शाहाबाद

1. विनियम 10-क(1) (क) के अधीन []

सहायक श्रम आयुक्त,
कर्नाटक सरकार,
गुलबर्गा

अध्यक्ष

2. विनियम 10-क(1) (ख) के अधीन []

श्रम अधिकारी,
कर्नाटक सरकार,
गुलबर्गा

सदस्य

3. विनियम 10-क(1) (ग) के अधीन
प्रभारी बीमा चिकित्सा अधिकारी,
कर्मचारी राज्य बीमा औपधालय,
शाहाबाद

सदस्य

एयर-इंडिया

एयर-इंडिया कर्मचारी सेवा विनियम

4. विनियम 10-क(1) (घ) के अधीन

- (1) डॉ० जी० ए० प्रचन्धक, ए०
वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी,
ए०सी०सी० वि०एम० नॉर्मल लिमिटेड,
शाहाबाद

सदस्य

- (2) श्री बी०डी० कर्मा,
प्रबन्धक, ए०सी०सी० नॉर्मल वरर्स लिमिटेड,
शाहाबाद

सदस्य

5. विनियम 10-क(1) (ङ) के अधीन

- (1) श्री यादव;
प्रभारी ए०सी०सी० सोमेट वरर्स लिमिटेड,
शाहाबाद

सदस्य

- (2) श्री जाहिद हुसैन,
जनरल सफ्टरी,
आई०टी०आई० ट्रेड एण्ड जनरल वरर्स
यूनियन, इंटक (ए० बी०बी०),
शाहाबाद

सदस्य

6. विनियम 6 (1) (च) के अधीन

प्रचन्धक,
स्थानीय कार्यालय,
कर्मचारी राज्य बीमा निगम,
शाहाबाद

सदस्य-सचिव

आदेश से

ए० एस० रावत

क्षेत्रीय निदेशक

सं० प्रा० का०/63-3—एयर कॉर्पोरेशन अधिनियम, 1953
(1953 का 27) की धारा 45 और धारा 8 की उप-
धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा
केन्द्रीय सरकार का पूर्व अनुमोदन लेने के बाद, एयर-इंडिया
ने "एयर-इंडिया कर्मचारी सेवा विनियम" में संशोधन करते
हुए निम्नलिखित विनियम बनाए हैं, वे हैं :—

1. (1) इन विनियमों को एयर-इंडिया कर्मचारी
सेवा (संशोधित) विनियम, 1980 कहा
जाएगा।

- (2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की
तिथि से लागू होंगे।

2. विनियम 24 में उप-विनियम (ii) के स्थान पर,
निम्नलिखित उप-विनियम रखा जाएगा, यथा :—
"बीमारी की छुट्टी पूरे वेतन के साथ 45 दिनों तक
संचयित की जा सकती है और उसे आधे वेतन पर
दुगुनी अवधि यानी 90 दिनों तक लिया जा सकता है।
किन्तु, गम्भीर और दीर्घकालिक बीमारी के विशेष
मामलों में, 90 दिनों तक पूरे वेतन के साथ छुट्टी के
संचय की अनुमति, प्रबन्ध निवेशक द्वारा दी जा सकती
है, और उसे दुगुनी अवधि यानी 180 दिनों तक आधे
वेतन पर लिया जा सकता है।"

एस० नारायणस्वामी
सचिव

RESERVE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE

DEPARTMENT OF BANKING OPERATIONS AND
DEVELOPMENT

"THE ARCADE", WORLD TRADE CENTRE,
CUFFE PARADE, COLABA

Bombay-400005, the 31st October 1980

Ref. DBOD No. Ret. BC. 127/C. 96(Ret)-80.—In exercise
of the powers conferred by sub-section (7) of Section 42 of
the Reserve Bank of India Act, 1934, the Reserve Bank of
India hereby :—

(1) exempts every scheduled commercial bank from
the provisions of sub-section (1A) of the said Section
42, read with the Notification DBOD, No. Ret. BC. 9/
C.96(Ret)-77 dated 13th January, 1977, regarding main-
tenance of additional balances, provided that such bank
complies with the following conditions :

- (i) A scheduled commercial bank has maintained as on
31st October 1980 Cash Reserve Ratios as required
both under sub-sections (1) and (1A) of Section
42 of the Reserve Bank of India Act, 1934 and the
Statutory Liquidity Ratio as required under Section
24 of the Banking Regulation Act, 1949; and

- (ii) The amount of Cash Reserve Ratio maintained
under sub-section (1A) of Section 42 referred to in
item (i) above and maintained as on 31st October,
1980, is not withdrawn even after that date.

(2) directs that where a scheduled commercial bank
has not maintained, as on 31st October 1980, reserves re-
ferred to in item (i) of paragraph (1) above, the exemp-
tion granted hereby shall be available to such bank only
after it makes good the entire shortfall within a period
of not exceeding two weeks from the date of this Noti-
fication and shall not withdraw the amount of Cash Re-
serve Ratio so maintained in pursuance of sub-section
(1A) of Section 42, thereafter.

K. S. KRISHNASWAMY
Deputy Governor

THE FOOD CORPORATION OF INDIA
HEAD OFFICE

New Delhi, the 30th October 1980

No. 15-6/79-EP.—In exercise of the powers conferred by
Section 45 of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964)
and with the previous sanction of the Central Government,
the Food Corporation of India hereby makes the following
regulations to amend the Food Corporation of India (Contri-
butory Provident Fund) Regulations, 1967, namely :—

1. (1) These regulations shall be called the Food Corporation of India (Contributory Provident Fund) (3rd Amendment) Regulations, 1980.
- (2) They shall be deemed to have come into force on the 9th September, 1980.
2. The existing proviso under Regulation 18 of the Food Corporation of India (CPF) Regulations, 1967 shall be amended to read as under :—

“Provided that in the case of a member ceasing to be such member in the course of the year, interest on the amount payable shall be allowed upto the end of the month preceding that in which payment is made or upto the end of the sixth month after the month in which such amount become payable whichever of these periods is less.

Note :—Payment of interest on the Fund balance beyond a period of six months upto a period of one year may be authorised by the Financial Adviser after he has personally satisfied himself that the delay in payment was occasioned by circumstances beyond the control of the subscriber and in every such case the administrative delay involved in the matter shall be fully investigated and action, if any required, taken.”

K. S. MURTY,
Dy. Manager (EP)
for Manager (Personnel)

NATIONAL COOPERATIVE DEVELOPMENT CORPORATION

New Delhi, the 7th October 1980

CORRIGENDA

No. NCDC.1-1/75-Admn.—In the notification No. NCDC.1-1/75-Admn., dated 28th April, 1980, published in the Gazette of India No. 20 (Part III—Sec. 4) dated 17th May, 1980—

- (i) At page 2003 : In Regulation 62(1)(iii) in the fourth line for the word ‘different’ read ‘difference’.
- (ii) At page 2004 : Note 2—In the second line before the word D.A., for ‘the’ read ‘th’.
- (iii) At page 2004 : In the table in Regulation 16. for “Pay Rs. 330/- or more but less than Rs. 656/-” read “pay Rs. 330/- or more, but less than Rs. 650/-”.
- (iv) At page 2004 : In Regulation 18(b)(i), the lines above and below “For self—one road mileage” be deleted.
- (v) At page 2005 : In Regulation 18(e), for words ‘exceeding 12 hours ‘Full’ read ‘exceeding 12 hours Full’.

K. J. S. BHATIA,
General Manager

EMPLOYEES’ STATE INSURANCE CORPORATION

Bangalore, the 1st December 1980

No. 53.V.34.13.4.80. Coord—It is hereby notified that the Local Committee consisting of the following persons has been re-constituted for Shahabad area under Regulation 10-A of the ESI (General) Regulations, 1950 with effect from the date of the Notification :—

LOCAL COMMITTEE, SHAHABAD

1. Under regulation 10-A(i) (a)
The Assistant Labour Commissioner, Chairman
Government of Karnataka,
Gulbarga.

2. Under regulation 10-A(i) (b)
The Labour Officer, Member
Government of Karnataka,
Gulbarga
3. Under regulation 10-A(i) (c)
The Insurance Medical Officer Incharge, Member
ESI Dispensary,
Shahabad.
4. Under regulation 10-A(i) (d)
(i) Dr. D. A. Prabakar Rao, Member
Senior Medical Officer,
ACC Vickers Babcock Limited,
Shahabad.
(ii) Shri V. D. Casta, Member
Manager, ACC Cement Works Limited,
Shahabad.
5. Under regulation 10-A(e)
(i) Shri Yaddayya, Member
Charge Hand, ACC Cement Works Limited,
Shahabad.
(ii) Shri Zahid Hussain, Member
General Secretary,
ITI Trained and General Workers’ Union,
Shahabad.
6. Under regulation 6(i) (f)
The Manager, Member-Secretary
Local Office,
ESI Corporation,
Shahabad.

By Order
A. S. RAWAT
Regional Director.

AIR-INDIA

Air-India Employees Service Regulations ..

No. HQ/63-3—In exercise of the powers conferred by Section 45 read with Sub-Section (2) of Section 8 of the Air Corporations Act, 1953 (27 of 1953), Air-India, with previous approval of the Central Government, makes the following regulations further to amend the Air-India Employees’ Service Regulations, namely :—

- (1) These Regulations may be called the Air-India Employees’ Service (Amendment) Regulations 1980.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In regulation 24, for sub-Regulation (ii) the following sub-Regulation shall be substituted, namely:—

“Sick Leave may be accumulated upto 45 days with full pay and may be availed of on half pay for double the period i.e. 90 days. However, in special cases of serious and prolonged illness, accumulation may be allowed by the Managing Director upto 90 days with full pay and may be availed of on half pay for double the period i.e. upto 180 days.”

S. NARAYANSWAMY
Secretary

Bombay, the 19th November 1980

CORRIGENDUM

- (i) In Item No. 2 printed in the notification of Air-India on Page 4132 in the Gazette of India dated 8th November, 1980, Part III, Section 4, the figure “18 B” is to be read as “19 B”.